[श्री रीतलाल प्रसाद वर्मा]

ग्रहण करना चाहिये । लेकिन अभी तक उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है ।

यह एक पब्लिक कम्पनी है. इसके साढ़े 7 लाख शेयर होल्डर हैं, लेकिन आज यह कम्पनी उन सभी शेयर होल्डर्स की पूंजी खत्म कर चुकी है । साथ ही साथ कम्पनी के डायरेक्टर्स ने गैर-जिम्मेदाराना तरीके से 6 कम्पनियों का निर्माण किया है और सारे भारतवर्ष में उस पूंजी से 23 कम्पनियां दूसरे प्रदेशों में खोली हैं सारे डायरेक्टर्स ने अलग अलग कम्पनियां बना ली हैं । इस कम्पनी को अब इसके अफसर चला रहे हैं । सारे अफसर लखपति हैं, कोई भी 10, 50 लाख से कम नहीं है। इस प्रकार से आज भी कम्पनी की करोड़ों रुपए की पूंजी पड़ी है, इसके 200 से अधिक मकानात हैं और 500 एकड़ से ज्यादा जमीन भी प्राइवेट है और बहुत सी मशीनरी है। करोड़ों रुपए का माइका स्क्रेप और फैबरीकेटेड माइका पड़ा हुआ है ।

यदि सरकार इसे अधिग्रहण कर के इन मजदूरों को राहत नहीं देती है तो ऐसी हालत में बहुत लोग भूखों मरने लगेंगे। छोटा नागपुर के उत्तरी भाग में अभ्रक के अलावा और कुछ नहीं है। अभ्रक भी हीरे जवाहारात की तरह बहुत ही बहुमूल्य खनिज है ।

मैंने मंत्री महोदय को 27 नवम्बर, 1977 को एक मैमोरेंडम भी लिखकर दिया था, लेकिन अभी तक उस पर कार्यवाही नहीं हुई है । इस दशा में मैंने सदन का ध्यान इसलिए दिलाया है कि अगर इस तरफ ध्यान नहीं दिया गया तो 4,000 मजदूर यहां आकर सत्याग्रह करेंगे और एक विकट स्थिति उत्पन्न होगी ।

(iii) REPORTED NEWS ABOUT WRONGFUL CONFINEMENT OF MR. JUSTICE S. K. VERMA BY THE MANAGEMENT OF SWADESHI POLYTEX LTD., GHAZIABAD

श्री शरद यादव (जबलपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह बहुत संगीन मामला आपके सामने उठा रहा हूं । मैंने चाहा तो यह था कि यह कालिंग अटेंशन या किसी और रूप में दिया जाता, लेकिन हर महत्वपूर्ण सवाल को यहां 377 में डाल दिया जाता है ।

स्वदेशी पालिटैक्स एक मिल है जो आधुनिक धागा तैयार करती है। एक स्वदेशी काटन मिल है आपको मालूम है कि 8 तारीख को इस सदन में उस मामले पर बहस हो चुकी है। वहां 13 मजदूरों की जानें चली गई। यह सब जो मामला गड़बड़ चल रहा है, या लड़ाई-झगड़ाई चल रही है, इसके पीछे राजा राम और सीताराम नाम के दो पूंजीपति भाई हैं। यह जो सत्ता में सांड हैं, ये लड़कर इस तरह से वहां पर होली खेल रहे हैं और लोगों की जान जा रही हैं।

स्वदेशी काटन मिल में 8 हजार मजदूर हैं। आधुनिक धागा बनाने वाली स्वदेशी पोलिटैक्स मिल, जो गाजियाबाद में है इस पर सीताराम जयपुरिया का कब्जा है। ये सीताराम जयपुरिया साहब पूंजीपति तो हैं ही लेकिन राजनीति में भी घुस गए हैं। जब कांग्रेस की सरकार थी, तब भी बहुत ताकतवर थे और अब जनता सरकार है तब भी ताकतवर हैं।

एक बड़ी अजीब घटना वहां घटी, हिन्दुस्तान का सबसे बड़ा प्रदेश इलाहाबाद के हाईकोर्ट के भूतपूर्व चीफ जस्टिस श्री एस०के० वर्मा के वहां शेयर्स के मामले में काफी घपला है। कानपुर की स्वदेशी मिल ठीक नहीं चल रही है। उसके 14 लाख शेयर्स स्वदेशी पोलिटैक्स गाजियाबाद में है । उसके शेयर बेचना चाहते हैं और जो सीताराम जयपुरिया हैं उनके शेयर उसमें 2200 हैं, लेकिन वह किसी तरह से भी उस पर कब्जा बनाए बैठे हुए हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस सारी गड़बड़ के कारण कहा कि सीताराम जयपुरिया उस बैठक की

अध्यक्षता नहीं करेंगे, और इलाहाबाद हाईकोर्ट के रिटायर्ड चीफ़ जस्टिस श्री एस० के० वर्मा, को अध्यक्षता करने के लिए कहा गया । जब वह 6 तारीख को वहां पहुंचे तो सीताराम जयपुरिया ने कानपुर से बुलाये गये गुंडो की सहायता से उन्हें एक बाथरूम में बन्द कर दिया, और ढाई घंटे तक वहां रखा । जो शेयरहोल्डर्ज शेयर्ज बेचना चाहते हैं, उन्होंने थाने में रपट की । लेकिन एस० पी० और कलेक्टर आदि ने कोई कार्यवाही नहीं की । एक रिटायर्ड चीफ़ जस्टिस को ढाई घंटे तक बन्द रखा गया, लेकिन सिर्फ़ सादी वर्दी में सिर्फ़ दो सिपाही वहां पहुंचे । श्री वर्मा किसी तरह से पीछे के दरवाजे से निकल कर भागे और उन्होंने भी रपट लिखाई, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई ।

यह बहुत संगीन घटना है कि जो आदमी हिन्दुस्तान के सब से बड़े प्रांत का मुख्य न्यायाधीश रहा हो, उसे ढाई घंटे तक बन्द रखा गया, लेकिन सीताराम जयपुरिया इतना ताकतवर हो गया है कि उस के खिलाफ़ कोई कार्यवाही नहीं की गई । लगता है कि वह आई० डी० बी० आई०, एल० आई० सी० और वित्त मंत्रालय से भी ज्यादा ताकतवर हो गया है ।

स्वदेशी काटन मिल में आठ हजार मजदूर काफ़ी समय से ग़रीबी और भुखमरी से पीड़ित हैं । दो वर्ष से उन्हें समय पर तन्ख्वाह नहीं मिल रही है । आई० डी० बी० आई० का अधिकारी वर्ग सीताराम जयपुरिया के साथ मिला हुआ है और चौदह लाख रुपये के शेयर्ज नहीं बिकने देता है । मैं वित्त मंत्रालय और इंडस्ट्रीज मंत्रालय से यह जानना चाहता हूं कि क्या कारण है कि एशिया की सब से बड़ी धागा बनाने वाली कानपुर की यह काटन मिल आज खतरे में हैं, वहां के आठ हजार मजदूरों के भविष्य का प्रश्न है, लेकिन सीताराम जयपुरिया और आई० डी० बी० आई० के चेयरमैन उस कारखाने को बर्बाद करने पर तुले हुए हैं ; क्यों नहीं इस बारे में उचित एक्शन लिया जा रहा है, क्यों नहीं शेयर्ज को बेचने की अनुमति दी जा रही है ।

उत्तर प्रदेश सरकार ने अक्तूबर, 1977 में लैंड रेवेन्यू के अन्तर्गत एक रिसीवर भी नियुक्त किया तथा कम्पनी के एक करोड़ रुपये की कीमत के स्वदेशी पोलिटेक्स के शेयर भी एटैच कर लिये, ताकि उन्हें बेच कर सरकार का ऋण तथा मजदूरों का वेतन चुकाया जा सके । परन्तु आई० डी० बी० आई० का सहयोग न मिलने के कारण उत्तर प्रदेश सरकार उन शेयरों को अभी तक नहीं बेच सकी है ।

इस लिए मैं कहना चाहता हूं कि इस बारे में पूरी जांच पड़ताल की जाये, सरकार इस मामले में इन्टरवीन करे और जो लोग सीताराम जयपुरिया के साथ मिले हुए हैं, उन्हें सख्त सजा दे, ताकि आठ हजार मजदूरों की जान बचे । सत्ता के सांडों से हमें कोई मतलब नहीं है । उस कारखाने का बचाव होना चाहिए और आई० डी० बी० आई० के जो अफ़सर सीताराम जयपुरिया से मिले हुए हैं और कांग्रेस सरकार के समय से गुलछर्रे उड़ा रहे हैं, उन के खिलाफ़ कार्यवाही की जाये । क्या जनता सरकार के आने के बाद भी वह व्यक्ति इतना ताकतवर है कि एल० आई० सी०, वित्त मंत्रालय और इंडस्ट्रीज मंत्रालय उसके विरुद्ध कुछ नहीं कर पा रहे हैं । मैं चाहता हूं कि सरकार इस बारे में विस्तृत बयान दे कि चीफ़ जस्टिस को गिरफ़्तार किये जाने के बारे में कार्यवाही क्यों नहीं की गई ।

(iv) FIRE ACCIDENT IN SAMACHAR OFFICE, BOMBAY

SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU (Chittoor): Sir, recently four persons died because of the fire accident in Samachar Office in Bombay. You know that there are so many accidents in railways ; there are so many stabbings in